भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 129

12 दिसंबर 2023 को उत्तर के लिए नियत

समर्थ उद्योग भारत 4.0 योजना

***129. श्री भोला सिंहः**

डॉ. सुकांत मजूमदारः

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में स्मार्ट एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब (समर्थ) उद्योग भारत 4.0 योजना कार्यान्वित कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या समर्थ उद्योग भारत 4.0 योजना का चरण-II हाल ही में शुरू किया गया है और सेंटर फॉर इंडस्ट्री 4.0 लैब, पुणे को देश में 10 अतिरिक्त उद्योग 4.0 केन्द्र स्थापित करने का कार्य सौंपा गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास इस योजना के फलस्वरूप देश में भारी उद्योगों द्वारा प्रौद्योगिकी को अपनाने में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के संबंध में कोई आंकड़े मौजूद हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस योजना के अंतर्गत अब तक क्या प्रगति हुई है; और

(ङ) इंडियन कैपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अन्य कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

भारी उद्योग मंत्री

(डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय)

(क) से (ङ): विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

विवरण

"समर्थ उद्योग भारत 4.0 योजना" के संबंध में लोकसभा में 12.12.2023 को उत्तर के लिए नियत श्री भोला सिंह और डॉ. सुकान्त मजूमदार के तारांकित प्रश्न संख्या 129 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): भारी उद्योग मंत्रालय ने वर्ष 2014 में "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि" स्कीम शुरू की। स्कीम के एक घटक अर्थात् "साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र" के अंतर्गत भारी उद्योग मंत्रालय ने 4 स्मार्ट उन्नत विनिर्माण और त्वरित रूपांतरण हब (समर्थ) केंद्रों नामतः उद्योग 4.0 केंद्र (C4i4) लैब, पुणे;आईआईटीडी-एआईए फाउंडेशन फॉर स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, आईआईटी दिल्ली; I-4.0 India @ IISc, बेंगलुरु; स्मार्ट विनिर्माण निदर्शन और विकास प्रकोष्ठ, सीएमटीआई, बेंगलुरु की स्थापना की है।

(ख): इस स्कीम के 25 जनवरी, 2022 से शुरू चरण-II के तहत भारी उद्योग मंत्रालय ने पहले से स्थापित समर्थ केंद्रों के विस्तार के लिए चरण-I में निम्नलिखित दो परियोजनाओं अर्थात पुणे में (C4i4) लैब और बेंगलुरु में **I-4.0 India @ IISc** को मंजूरी दी है। C4i4 लैब, पुणे को हब एंड स्पोक मॉडल पर देशभर में 10 क्लस्टर उद्योग 4.0 अनुभव केंद्र स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। C4i4 लैब, पुणे के साथ 30 मार्च,2023 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसकी कुल परियोजना लागत 35 करोड़ रूपए है जिसमें 28 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान और 7 करोड़ रुपये का उद्योग/अकादमिक अंशदान शामिल है।

(ग) और (घ)**:** समर्थ केंद्रों का उद्देश्य उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूकता सृजन और समर्थन करना है। समर्थ केंद्रों द्वारा की गई पहलों का विवरण निम्नानुसार हैः

i. C4i4 ने 85 कार्यक्रमों (सेमिनार/वेबिनार/जागरूकता सत्र/प्रौद्योगिकी दिवस) का आयोजन किया;
ii. C4i4 ने उद्योग 4.0 संबंधी प्रायोगिक परियोजनाओं/परामर्श में 45 कारखानों की सहायता की।
iii. आईआईटी, दिल्ली ने जून-जुलाई, 2021 के दौरान 82 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता की पेशकश की; जून-जुलाई, 2022 के दौरान 61 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता की पेशकश की गई।
iv. सीएमटीआई और आईआईएससी, बेंगलुरु के तकनीकी सहयोग से 3-4 जुलाई, 2023 को बेंगलुरु में रोबोटिक्स पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

v. 07 अक्टूबर,2022 को केवड़िया, गुजरात में उद्योग 4.0 पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसके लिए C4i4 लैब, पुणे ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

vi. 3500 कंपनियों के 30,000 से अधिक पेशेवरों ने समर्थ अनुभव केंद्रों का दौरा किया।

(ङ): भारी उद्योग मंत्रालय ने "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि, चरण-II" नामक स्कीम अधिसूचित की है जिसका वित्तीय परिव्यय 1207 करोड़ रुपये है जिसमें 975 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता और न्यूनतम 232 करोड़ रुपये का उद्योग अंशदान शामिल है।

पूंजीगत वस्तु स्कीम, चरण-II के विभिन्न घटकों के तहत अब तक कुल 1363.87 करोड़ रुपये (उद्योग द्वारा अपेक्षाकृत अधिक वित्तीय अंशदान के कारण) परिव्यय वाली 32 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन 32 परियोजनाओं में 9 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), 5 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी), 7 परीक्षण और प्रमाणन केंद्र, प्रौद्योगिकी विकास के लिए 8 उद्योग एक्सीलेरेटर और कौशल स्तर 6 तथा इससे ऊपर के लिए अर्हता पैक के सृजन संबंधी 3 परियोजनाएं शामिल हैं।

***